

中国禁毁小说
连环画拾部

情

史

下

(明)

澹澹外史评

笔落风雨说妻炎凉
描不尽三教九流人生相
思凝血泪述人情冷暖
写不完男女女人间事

时代文艺出版社

导 读

《情史》，又名《情史类略》，二十四卷，七十一万余字。有明刊本存世，上海图书馆、浙江省图书馆、大连图书馆、日本蓬佐文库均有藏。书前署“江南詹詹外史评辑”。卷首有题“吴人龙子犹叙”的《情史》“叙”和题“江南詹詹外史述”的“序”。

龙子犹和詹詹外史都是明人冯梦龙的字和别号。冯梦龙（1574—约 1646），字犹龙，又字子犹，别号墨憨斋主人、詹詹外史。长洲（今江苏苏州市）人。青壮年时期读书应考，但屡试不第，内心抑郁，常出入青楼酒肆歌场。五十八岁补贡生，做过江苏丹徒县训导，六十岁任福建寿宁县知县。六十六岁离任回苏州，继续从事通俗文学的撰述。明亡后，曾参加南明唐王政权，宣传抗清。他一生著述颇丰，编撰了短篇小说集“三言”：《喻世明言》、《警世通言》、《醒世恒言》，改编、增补或修订了长篇小说《三遂平妖传》、《东周

情 史

列国志》、《盘古志传》、《西汉演义》等，创编了《精忠旗》、《酒家佣》、《女丈夫》、《双雄记》、《万事足》等戏曲剧本，著有笔记小说《古今谭概》、《笑府》、《智囊》等几十种。

《情史》是一部爱情故事类编，它将我国历史上著名的爱情故事、有关爱情的传说分类排列叙述。全书共分二十四类，每卷一类：情贞、情缘、情私、情侠、情豪、情爱、情痴、情感、情幻、情灵、情化、情媒、情憾、情仇、情芽、情极、情秽、情累、情疑、情鬼、情妖、情外、情通、情迹。每一类收爱情故事三五十则不等，共有故事八百五十七则。每则故事多以主人公的名字或姓氏、职业为题，简要地介绍人物的籍贯、性格、叙述爱情婚姻生活、爱情纠葛和爱情遭遇。也有的写鬼神之间的爱情故事或人与神鬼的恋情。

这些作品大多数见于前人的著作，冯梦龙有的对其做了改写，有的则引用原文而加以介绍性的头尾，有的则加以补充，使故事更完整。其中也有部分篇章记述现实生活，是作者重新虚构的故事。

下面摘要介绍数则，以窥全书之一斑。

卷一，情贞类，有一篇《罗敷》，是根据汉代乐府民歌《陌上桑》改写的，改变了人物之间的关系和职位，开头写道：“邯郸秦氏女，名罗敷，嫁邑人王仁。仁为赵王家令。敷出采桑于陌上，赵王登台见而悦之，因置酒欲夺焉。敷善弹筝，作《陌上桑》以自明，赵王乃止。”接着引述了《陌上桑》全诗。这则故事歌颂了罗敷对爱情的忠贞和反抗强暴的精神，揭露了封建官吏的无耻嘴脸。

卷三，情私类，有《范蠡》一篇，引用《吴越春秋》和《越绝》，演述西施的故事。其中记述了民间传说：西施在被

导 读

越王勾践献给吴王夫差的路上，“与范蠡潜通，三年始达于吴。遂生一子，至此亭（指嘉兴县南女儿亭），其子一岁能言，因名‘女儿亭’。”后来西施与范蠡泛游五湖。这则故事说明了男女之间的缘分。

又如，卷四，情侠类，有《卓文君》一篇，根据《史记·司马相如列传》或引原文，或略加删节，叙述了卓文君私奔相如，当垆卖酒，不惧贫苦，歌颂了她的侠士之风。

《情史》的书名、类名都冠以“情”字，几乎囊括了所有有关“情”的内容，强调了“情”的作用。每则故事后大多有作者的评语，认为“六经皆以情教也”，宣扬爱情在生活中占有的重要地位，认为情无所不在，无所不包。也正因为此，在清政府对图书划分内容性质时，将其列入艳词淫书中，这就是冯梦龙其它图书都可以流行而惟独《情史》遭禁的原因。

(青 叶)

目 录

目 录

上 册

卷一 情贞类

| | |
|------|--------|
| 范希周 | (1) |
| 盛道 | (3) |
| 祝琼 | (3) |
| 天台郭氏 | (4) |
| 罗敷 | (5) |
| 李妙惠 | (6) |
| 卢夫人 | (8) |
| 金三妻 | (9) |
| 申屠氏 | (10) |
| 王世名妻 | (11) |
| 惠士玄妻 | (13) |

情 史

| | | |
|-------|-------|------|
| 从二姑 | | (14) |
| 狄阿毛妻 | | (14) |
| 泖湖谢氏 | | (15) |
| 史五妻 | | (16) |
| 王氏妇 | | (16) |
| 徐君宝妻 | | (17) |
| 邓廉妻 | | (18) |
| 独腕尼 | | (18) |
| 海昌董氏 | | (19) |
| 章纶母 | | (19) |
| 歌者妇 | | (20) |
| 美人虞 | | (21) |
| 随清娱 | | (22) |
| 邺中妇人 | | (23) |
| 张宁妾 | | (23) |
| 绿珠 | | (25) |
| 戚大将军妾 | | (27) |
| 张小三 | | (28) |
| 高娃 | | (30) |
| 杨媚 | | (31) |
| 韩香 | | (32) |
| 关盼盼 | | (33) |
| 李姝 | | (34) |
| 沈真真 | | (35) |
| 齐锦云 | | (36) |
| 王四儿 | | (36) |

目 录

| | |
|--------|------|
| 朱葵 | (37) |
| 补遗鲁陶婴妻 | (39) |
| 虞氏 | (39) |
| 楚贞姬 | (40) |
| 张美人 | (41) |
| 济南张义妇 | (41) |
| 皇甫规妻 | (42) |
| 黄帛 | (43) |
| 剑州民妇 | (43) |
| 吴金童妻 | (43) |
| 李真童 | (46) |

卷二 情缘类

| | |
|------|------|
| 赵筒子 | (47) |
| 卖馄媪 | (47) |
| 郑任 | (48) |
| 周六女 | (49) |
| 张二姐 | (50) |
| 张夫人 | (51) |
| 郑中丞 | (52) |
| 刘奇 | (53) |
| 王善聪 | (55) |
| 吴江钱生 | (56) |
| 刘举人妾 | (57) |
| 昆山民 | (58) |
| 赵判院 | (59) |

情 史

| | |
|----------|------|
| 章泛 | (60) |
| 苏城丐者 | (61) |
| 侯继图 | (62) |
| 顾协 | (62) |
| 崔元综 | (63) |
| 韦固 | (64) |
| 孟光 | (65) |
| 络秀 崔敬女 | (67) |
| 朱显 | (68) |
| 程万里 | (68) |
| 单飞英 | (70) |
| 徐信 | (73) |
| 王从事妻 | (74) |
| 黄昌 | (76) |
| 萧匠 | (76) |
| 赵军 | (77) |
| 杨公 | (78) |
| 绍兴士人 | (79) |
| 崔英 | (80) |
| 玉堂春 | (83) |
| 补遗 甲乙二书生 | (85) |

卷三 情私类

| | |
|-----|------|
| 张幼谦 | (87) |
| 晁采 | (90) |
| 范蠡 | (92) |

目 录

| | |
|----------|-------|
| 贾午 | (93) |
| 江情 | (94) |
| 薛氏二芳 | (96) |
| 梁意娘 | (98) |
| 章文焕 | (99) |
| 紫竹 | (101) |
| 莫举人 | (103) |
| 王生 | (104) |
| 张住住 | (105) |
| 潘用中 | (107) |
| 刘尧举 | (109) |
| 姚月华 | (111) |
| 扇肆女 | (112) |
| 阮华 | (113) |
| 狄氏 | (118) |
| 盈盈 | (120) |
| 王僧弥 | (121) |
| 阮咸 | (121) |
| 补遗 李节度使姬 | (122) |
| 刘道真 | (123) |

卷四 情侠类

| | |
|------|-------|
| 太史敫女 | (124) |
| 卓文君 | (124) |
| 红拂妓 | (127) |
| 梁夫人 | (128) |

情 史

| | |
|-----------|-------|
| 瑞卿 | (129) |
| 冯蝶翠 | (130) |
| 东御史妓 吴进士妓 | (133) |
| 娄江妓 | (134) |
| 沈小霞妾 | (135) |
| 邵金宝 | (136) |
| 董国度妾 | (137) |
| 严蕊 薛希涛 | (138) |
| 杨素 | (140) |
| 宁王宪 | (141) |
| 裴晋公 | (141) |
| 江陵刺史 | (142) |
| 京邸兵官 | (143) |
| 于頔 韩滉 | (144) |
| 唐玄宗 僖宗 | (145) |
| 唐文宗 | (146) |
| 宋仁宗 | (147) |
| 袁盎 葛周 | (148) |
| 杨震 | (150) |
| 李绅 | (150) |
| 刘禹锡 | (151) |
| 洛中节使 | (151) |
| 开府 | (152) |
| 姜夔 | (152) |
| 严尚书 | (153) |
| 许俊 | (153) |

目 录

| | |
|------|-------|
| 古押衙 | (155) |
| 虬须叟 | (159) |
| 昆仑奴 | (160) |
| 冯燕 | (162) |
| 荆十三娘 | (163) |

卷五 情豪类

| | |
|---------|-------|
| 夏履癸 商纣 | (165) |
| 汉灵帝 | (166) |
| 秦始皇 | (167) |
| 汉武帝 | (168) |
| 汉成帝 | (168) |
| 吴王夫差 | (169) |
| 魏文帝 | (170) |
| 吴孙亮 | (171) |
| 东昏侯 | (172) |
| 陈后主叔宝 | (172) |
| 隋帝广 | (173) |
| 唐玄宗 | (175) |
| 王衍 | (176) |
| 五云车 | (177) |
| 元武宗 | (177) |
| 元顺帝 | (178) |
| 河间王 | (181) |
| 张宪 | (181) |
| 王武子 杨国忠 | (181) |

情 史

| | |
|---------|-------|
| 岐王 | (182) |
| 封涉 | (182) |
| 严世藩 | (182) |
| 石崇 | (183) |
| 元载 | (183) |
| 宋祁 | (184) |
| 陈慥 | (185) |
| 刘大刀 | (185) |
| 王太常 | (186) |
| 寇莱公 | (186) |
| 柳睦州 | (187) |
| 史凤 | (188) |
| 凌延年 | (189) |
| 张紊 | (190) |
| 阮籍 | (190) |
| 谢鲲 | (191) |
| 杜牧 | (191) |
| 李白 | (192) |
| 谢希孟 | (192) |
| 俞大夫 | (193) |
| 韩汝玉 | (193) |
| 康海 | (194) |
| 杨慎 | (195) |
| 唐寅 | (195) |
| 鸳鸯寺 双飞寺 | (198) |
| 余杭广 | (199) |

目 录

- | | |
|------|-------|
| 刘氏子妻 | (199) |
| 张俊 | (200) |
-

卷六 情爱类

- | | |
|--------|-------|
| 丽娟 李夫人 | (202) |
| 飞燕合德 | (203) |
| 邓夫人 | (205) |
| 蜀甘后 | (205) |
| 杨太真 | (206) |
| 吴绛仙 | (207) |
| 卓文君 | (208) |
| 王元鼎 | (208) |
| 何恢 潘炕 | (209) |
| 程一宁 | (210) |
| 温都监女 | (211) |
| 长沙义妓 | (212) |
| 王巧儿 | (214) |
| 真凤歌 | (215) |
| 南都妓 | (215) |
| 马琼琼 | (216) |
| 李师师 | (218) |
| 钟夫人 | (220) |
| 樊事真 | (220) |
| 般般丑 | (221) |
| 丘长孺 | (221) |
| 范笏林 | (223) |

情 史

卷七 情痴类

| | |
|-------|-------|
| 眇娼 | (226) |
| 哑娼 | (227) |
| 老妓 | (227) |
| 蜀王衍 | (230) |
| 宋子京 | (230) |
| 荀奉倩 | (231) |
| 韦生 | (231) |
| 陈体方 | (231) |
| 洛阳王某 | (232) |
| 乐和 | (233) |
| 尾生 | (234) |
| 傅七郎 | (235) |
| 王生陶师儿 | (236) |
| 汉成帝 | (237) |
| 周幽王 | (238) |
| 北齐后主纬 | (239) |
| 后燕主熙 | (239) |
| 陈后主 | (240) |
| 齐景公 | (241) |
| 杨政 | (241) |

卷八 情感类

| | |
|-----|-------|
| 长门赋 | (244) |
| 白头吟 | (245) |
| 图形诗 | (246) |

目 录

| | |
|------|-------|
| 慎三史 | (247) |
| 织锦回文 | (247) |
| 龟诗形 | (248) |
| 寄内诗 | (248) |
| 王孟端诗 | (249) |
| 寒梅 | (249) |
| 楚娘 | (250) |
| 郑德璘 | (250) |
| 唐晅 | (253) |
| 齐饶州女 | (255) |
| 李章武 | (260) |
| 王暹女 | (263) |
| 罗爱爱 | (264) |
| 胡馥之妇 | (267) |
| 王文献妻 | (268) |
| 王敬伯 | (268) |
| 僧安净 | (269) |
| 胡氏子 | (270) |
| 曾季衡 | (272) |
| 杞梁妻 | (274) |
| 孟姜 | (274) |
| 湘妃 | (275) |
| 汰王滩诗 | (275) |

卷九 情幻类

| | |
|------|-------|
| 司马才仲 | (277) |
|------|-------|

情 史

| | |
|-------|-------|
| 王生 | (278) |
| 娟娟 | (281) |
| 吴女盈盈 | (284) |
| 安西张氏女 | (287) |
| 沈亚之 | (288) |
| 张倩娘 | (291) |
| 柳氏女 | (292) |
| 石氏女 | (292) |
| 董子马姬 | (294) |
| 观灯美妇 | (294) |
| 刘道济 | (296) |
| 吴兴娘 | (296) |
| 贾云华 | (300) |
| 李夫人 | (305) |
| 杨太真 | (305) |
| 许至雍妻 | (307) |
| 韦氏妓 | (309) |
| 北海道人 | (310) |
| 真真 | (310) |
| 吴四娘 | (311) |
| 薛雍妻 | (312) |
| 胜儿 | (313) |
| 金山妇人 | (314) |
| 鬼国母 | (315) |
| 黄损 | (316) |
| 猪嘴道人 | (321) |

目 录

| | |
|------|-------|
| 李月华 | (322) |
| 桂花仙女 | (324) |
| 赤丁子 | (325) |
| 孕异 | (326) |
| 张和 | (327) |

中 册

卷十 情灵类

| | |
|------|-------|
| 陈寿 | (329) |
| 崔护 | (329) |
| 买粉儿 | (330) |
| 吴淞孙生 | (331) |
| 唐文喻 | (332) |
| 速哥失里 | (333) |
| 马子 | (335) |
| 干宝 | (336) |
| 张果女 | (337) |
| 刘长史女 | (338) |
| 丽春 | (339) |
| 李强名妻 | (340) |
| 祝英台 | (341) |
| 季攸甥女 | (341) |
| 吴王女玉 | (342) |
| 长安崔女 | (343) |